मोटा मोटा सेठ सांवरा | By Sardar Romi |

फागुन में खाटू के माही
सेवक घूमर घाले रे
मोटा मोटा सेठ बनिया
ठुमक ठुमक चालै रे ।।

रंग रंगीलो फागुन आवे
सेवकियो हरसावे रे
ले निशान खाटू ने चालो
बाबो श्याम बुलावे रे
सेवकिया रा सारो कुण बा
बाबा देखे भाले रे
मोटा मोटा सेठ बनिया
ठुमक ठुमक चालै रे ।।

कोई पेट पलनिया आवे
कोई पैदल आवे जी
कोई बैठ्या गाड़ी ऊपर
श्याम को ध्यान लगावे जी
श्याम सलोना सब भक्त ने
एक रंग में ढाले रे
मोटा मोटा सेठ बनिया
ठुमक ठुमक चालै रे ।।

ढोलक चंग नगाड़ा बाजे
हारमोनियम की पेटी जी
दादा दादी पोता नाचे
नाचे बेटा बेटी जी
तबरिया रो सारो संकट
बाबा पल में टाले रे
मोटा मोटा सेठ बनिया
ठुमक ठुमक चालै रे ।।

मैं भी चालां, थैं भी चालो
श्याम रंग रंग जावा जी
फागुन में मंदिर के आगे
खूब धमाल मचावा जी
रोमी के संग खाटू चलके
खीर चूरमो खाले रे
मोटा मोटा सेठ बनिया
ठुमक ठुमक चालै रे ।।

फागुन में खाटू के माही
सेवक घूमर घाले रे
मोटा मोटा सेठ बनिया
ठुमक ठुमक चालै रे ।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%9f%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%9f%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%a0-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-sardar-romi/